Date
Page

अभिवृत्ति (Attitude) → व्यक्ति के किसी वस्तु, व्यक्ति, क्रिया एवं विचार आदि के प्रति मनोभाव को अभिवृत्ति कहते है। किसी मनुष्य में भिन्न-2 वस्तुओं, व्यक्तियों, क्रियाओं अथवा विचारों आदि के प्रति भिन्न-2 अभिवृत्ति होती है, किसी के प्रति अधिक, किसी के प्रति कम और किसी के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति होती है। मनुष्यों में इसका निर्माण अनुभवों द्वारा होता है। कोई मनुष्य जिस वस्तु, व्यक्ति क्रिया अथवा विचार के प्रति जैसा अनुभव करता है उसमें उसके प्रति वैसी ही अभिवृत्ति जन्मजात नहीं होती है। इसे मनुष्य अपने अनुभवों द्वारा स्वयं विकसित करता है।

परिभाषा →

थर्सटन के शब्दों में "अभिव्यक्ति किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु से सम्बन्धित धनात्मक या ऋणात्मक प्रभाव की मात्रा है।
"An attitud is the degree of Positive or Negative effect Associated with Some Psyohological object."

फ्रीमैन के अनुसार "अभिवृत्ति किन्हीं परिस्थितियों, व्यक्तियों या वस्तुओं के प्रति संगत रूप से प्रतिक्रिया करने की वह स्वाभाविक तत्परता है जिसे सीख लिया गया है और जो व्यक्ति विशेष की प्रतिक्रिया करने का एक विशिष्ट ढंग बन गया है।

Scanned with CamScanner

An attitude is a dispositional readiness to response to certain situation. Persons or objects in a consistent manne. whic has been learned and has become one's typical mode of response.

अभिवृत्तियों के प्रकार (Types of Attitude) →

① **धनात्मक अभिवृत्ति (Positive Attitudes) →** जब कोई व्यक्ति किसी वस्तु, व्यक्ति, क्रिया अथवा विचार आदि को पसन्द करता है, स्वीकार करता है, उसके प्रति आकर्षित होता है तथा उसके अनुकूल अपने को समायोजित करने का प्रयास करता है तो यह उस व्यक्ति की उस वस्तु, व्यक्ति, क्रिया अथवा विचार के प्रति धनात्मक अभिवृत्ति कहलाती है।

② **ऋणात्मक अभिवृत्ति (Negative Attitudes) →** जब कोई व्यक्ति किसी वस्तु, व्यक्ति क्रिया अथवा विचार को नापसन्द करता है, उसे अस्वीकार करता है और उससे दूर रहने का प्रयास करता है तो यह उस व्यक्ति की उस व्यक्ति की उस वस्तु, व्यक्ति, क्रिया अथवा विचार आदि के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति कहलाती है।

③ **सामान्य अभिवृत्ति (General Attitudes) →** जो अभिवृत्ति किसी व्यक्ति क्रिया अथवा विचार आदि के बारे में सामान्य या सामूहिक रूप से व्यक्त की जाती है उसे सामान्य अभिवृत्ति कहते हैं। जैसे महिलाओं के प्रति माँ का भाव।

Scanned with CamScanner

(v) विशिष्ट अभिवृत्ति (Specific Attitudes) → जो अभिवृत्ति किसी वस्तु, व्यक्ति, क्रिया अथवा विचार आदि के प्रति विशिष्ट रूप में व्यक्त की जाती है उसे विशिष्ट अभिवृत्ति कहते हैं। जैसे- एक व्यक्ति में अपनी माँ विशेष स्नेह एवं श्रद्धा का भाव।

अभिवृत्ति की प्रकृति एवं विशेषताएँ (Nature and Characteristics of Attitudes) →

(i) अभिवृत्ति किसी वस्तु, व्यक्ति, क्रिया अथवा विचार के प्रति व्यक्ति का मनोभाव है।
(ii) अभिवृत्ति धनात्मक एवं ऋणात्मक दोनों हो सकती है।
(iii) अभिवृत्ति का सम्बंध अनुभवों से होता है।
(iv) अभिवृत्ति के विकास में संवेग महत्वपूर्ण सहायक सिद्ध होते हैं।
(v) अभिवृत्ति के विकास सामाजिक सम्बंधों के कारण होता है।
(vi) अभिवृत्ति व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रभावित करती है
(vii) मनुष्य में कोई अभिवृत्ति तब तक स्थिर रहती है जब तक कोई अन्य अनुभव नहीं होता, वातावरण एवं अनुभवों के आधार पर इनमें परिवर्तन होता रहता है।

Scanned with CamScanner